असामान्य गतिविधि से आते हैं मिर्गी के दौरे

एलएनसीटी विश्वविद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

▶ न्यूरोट्रांसमीटर असंतुलन से बढ़ती है समस्या

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 फरवरी. मिर्गी केवल एक बीमारी नहीं बल्कि परिवार के लिए मानसिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाती है. इसी गंभीर विषय को समझने और सही उपचार की दिशा में जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से एलएनसीटी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मेसी में बुधवार को विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया.

कार्यक्रम में बी फार्मा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित व्याख्यान का विषय एंटीएपिलेप्टिक दवाओं का अवलोकन रखा गया. कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक और डीन एकेडमिक्स डॉ. एके सिंघई के स्वागत उद्बोधन से हुई.उन्होंने कहा कि मिर्गी के प्रभावी प्रबंधन में दवाओं की भूमिका को गहराई से समझना भविष्य के फार्मासिस्टों के लिए अत्यंत आवश्यक है.कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार मोहंती ने मिर्गी को दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल (दिमाग और नसों की पुरानी बीमारी) विकार बताते हुए कहा कि मस्तिष्क में असामान्य विद्युत गतिविधि के कारण बार-बार दौरे आते हैं. उन्होंने बताया कई बार दिमाग को सक्रिय और शांत करने वाले न्यूरोट्रांसमीटर के असंतुलित होने के कारण ऐसी स्थिति बनती है. उन्होंने मिर्गी के चारों प्रकार टॉनिक क्लॉनिक, एब्सेंस, मायोक्लॉनिक और एटोनिक सीजर्स के लक्षणों और प्रबंधन पर विशेष चर्चा की.

> कार्यक्रम में डॉ. मोहंती ने अक्सर मिर्गी में दी जाने वाली दवाओं फेनिटोइन, कार्बामाजेपिन, सोडियम वैल्प्रोएट, एथोसक्सिमाइड और लेवेटिरासेटम की कार्यप्रणाली और सावधानियों पर प्रकाश डाला.साथ ही गर्भावस्था और यकृत रोग में वैल्प्रोएट से बचने, बोन मैरो डिप्रेशन में कार्बामाजेपिन का प्रयोग न करने और गंभीर रूप से सांस की समस्या में बेंजोडायजेपाइन के उपयोग से परहेज की जानकारी भी दी.विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर विषय की व्यावहारिक समझ विकसित की.विद्यार्थियों ने बताया कि यह कार्यक्रम भविष्य में मरीजों के प्रति संवेदनशीलता दृष्टि से भी उपयोगी है.

बीएचईएल में हाइड्रो जेनरेटर पर प्रशिक्षण

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल 25 फरवरी. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में एनएचपीसी लिमिटेड के अधिकारियों के लिए 'हाइड्रो जेनरेटर: विनिर्माण, परीक्षण एवं रखरखाव पहलू' विषय पर पांच दिवसीय ग्राहक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी.यू. सिंह ने किया. इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (एचजीई) अंशुमान दीक्षित, अपर महाप्रबंधक (पीएंडपीआर) उपेन्द्र सिंह, अपर महाप्रबंधक (एचआरडी) सुरेखा बंछोर तथा संकाय सदस्य के रूप में उप महाप्रबंधक (एचजीई) प्रदीप कुमार वर्मा और वरिष्ठ प्रबंधक (एचजीई) विवेक गोस्वामी उपस्थित रहे.प्रशिक्षण में 20 अधिकारी भाग ले रहे हैं.

अपने संबोधन में सिंह ने एनएचपीसी को एक महत्वपूर्ण ग्राहक बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम परिचालन संबंधी अंतराल को दूर करने, तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करने और आपसी समझ बढ़ाने में सहायक होते हैं.उन्होंने कहा कि बीएचईएल निरंतर परिचालन दक्षता, बेहतर उत्पाद गुणवत्ता और ग्राहकों को त्वरित व विश्वसनीय सेवा प्रदान करने पर केंद्रित हैं.

पांच दशकों का अनुभव

दीक्षित ने बताया कि बीएचईएल, भोपाल हाइड्रो जेनरेटर के लिए इंजीनियरिंग एवं डिजाइन विकास केंद्र है और भारी जलविद्युत परियोजनाओं के उपकरण आपूर्ति में पांच दशकों से अधिक का अनुभव रखता है.कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रबंधक (एचआरडी) उमेश कुमार सावले ने किया.

एक नजर में

शांतिधारा के साथ भगवान का अभिषेक

भोपाल, 25 फरवरी. 1008 सिद्ध भगवान की आराधना के दूसरे दिन भाव भक्ति से अर्ध चढ़ाए. जैन मंदिर मंगलवारा में नन्दीश्वर पूजन के साथ 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा के साथ हुआ. इसका सौभाग्य राजेश अनीता एवं कमल मनोरमा अजमेरा को मिला. ध्वजारोहण शारदा अमिताभ मनयो ने किया. महायज्ञ नायक आदित्य सविता मनयां परिवार तथा यज्ञ नायक विपिन मनीषा एमपीटी ने श्रीफल अर्पित किए. अध्यक्ष आदित्य मन्या प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि अनुष्ठान जगत शांति की कामना के साथ किया गया.इन्द्र-इन्द्रानियों ने 21 जाप कलश स्थापना भी की.

हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने हुई कार्यशाला

भोपाल, 25 फरवरी. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया. संजय त्रिपाठी, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र.1 एवं पुस्तकालयाध्यक्ष, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक एवं अनुसन्धान संसथान, भोपाल इस कार्यशाला के प्रशिक्षक थे. कार्यशाला का विषय 'अनुवाद उपकरण भाषा की बाधाओं को पाटना' था.कार्यशाला के प्रारंभ में संग्रहालय की वैज्ञानिक-डी एवं कार्यालय अध्यक्ष डॉ. बीनिश रफत ने कार्यशाला के प्रशिक्षक संजय त्रिपाठी तथा संग्रहालय के सभी कर्मचारियों का स्वागत किया. कार्यशाला में संजय त्रिपाठी ने आधुनिक तकनीकी अनुवाद साधनों से परिचित कराया तथा कार्यालय में उनके उपयोग की जानकारी भी दी .भारती बहुभाषी एवं कंठस्थ 2.0 जैसे भारतीय अनुवाद उपकरणों का परिचय दिया गया. इसके अतिरिक्त आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित उपकरणों के माध्यम से अनुवाद, भाषा सुधार और सामग्री निर्माण की प्रक्रिया को समझाया गया. साथ ही गैर-हिंदी भाषियों के लिए हिंदी सीखने की दिशा में संचालित 'लीला हिंदी प्रबोध प्रवीण प्राज्ञ' पाठ्यक्रमों की भी जानकारी दी गई. इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए. संग्रहालय के वैज्ञानिक- सी मानिक लाल गुप्त ने आभार माना.

सुर और रंग के संगम से गुन रहे होरी के गीत

भोपाल, 25 फरवरी. रंगों के पर्व से पहले सुरों की छटा सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज में बिखरने लगी है.संगीत विभाग की अध्यक्ष और प्रतिष्ठित कलाकार डॉ. नीना श्रीवास्तव पारंपरिक होली गीतों की विशेष कार्यशाला के माध्यम से लोकधुनों को फिर से जीवंत कर रही हैं.कार्यशाला के पहले दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश के पारंपरिक होली गीत रसिया और फाग का प्रशिक्षण दिया गया.इसमें सबसे खास बात यह है कि केवल छात्राएं ही नहीं बल्कि प्राध्यापक, स्थापित कलाकार, गृहिणियां, बिजनेसवुमन और शौकिया कलाकार भी उत्साह से भाग ले रहे हैं.कार्यशाला में हर उम्र और वर्ग के प्रतिभागी होरी के सुर सीखते नजर आ रहे हैं. डॉ. नीना श्रीवास्तव ने बताया कि उनका उद्देश्य विलुप्त होती लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है.उनका मानना है कि लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं.यदि इन्हें संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से दूर हो जाएंगी.उन्होंने बताया कार्यशाला के पहले तीन दिनों में प्रतिभागियों को गीतों की बारीकियां और पारंपरिक शैली सिखाई जा रही है.जिसके बाद 28 फरवरी को सीखे गए गीतों की प्रस्तुति दुष्यंत संग्रहालय में दी जाएगी.

करियर मार्गदर्शन से खुलेंगे नए रास्ते

भोपाल, 25 फरवरी. उच्च शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगार के लिए तैयार करे.यह बात बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु एसके जैन ने बुधवार को समाजशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय करियर मार्गदर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कही. पीएम उषा योजना के अंतर्गत और सेंटर फॉर रीसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टॉफ परफॉर्मेंस के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर नियोजन, कौशल विकास और उद्योगोन्मुख दृष्टिकोण प्रदान करना रहा.कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. रुचि घोष दस्तिदार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया.उद्घाटन सत्र में धीरेंद्र चतुर्वेदी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समकालीन करियर अवसरों, प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी और व्यक्तित्व विकास के आयामों पर विस्तार से जानकारी दी.उन्होंने करियर और रोजगार के अंतर को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य आधारित तैयारी का संदेश दिया.कार्यक्रम में जयदीप सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों और स्टार्टअप संस्कृति की संभावनाओं पर प्रकाश डाला.जिसके बाद विवेक यादव ने संप्रेषण कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और साक्षात्कार की तैयारी पर व्यावहारिक सुझाव दिए.इसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने जिज्ञासा के साथ कई प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से अपनी प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किये.

विज्ञान ने तोड़ा चमत्कार का भ्रम, तार्किक सोच पर दिया जोर

▶ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सप्ताह में हुआ कार्यक्रम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 फरवरी. विज्ञान के वो प्रयोग जो आम तौर पर हमारे जीवन का हिस्सा होते हैं, ऐसे प्रयोग जब आंचलिक विज्ञान केंद्र में किये गये तो विद्यार्थियों की आंखों में आश्चर्य के साथ जिज्ञासा से भरे प्रश्न ढेर हो गए.

यह अवसर था राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम का, जिसकी थीम वीमेन इन साइंस कैटालाइजिंग विकसित भारत रखी गई है. बुधवार को डॉ. सीवी रमन की स्मृति व्याख्यान में आयोजित भौतिकी की जटिल अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से छात्रों को समझाया गया. वहीं कार्यक्रम में शामिल भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की प्रो. स्निग्धा ठाकुर ने एक्टिव मैटर विषय पर बोलते हुए बताया कि सूक्ष्म कण भी सामूहिक रूप से सक्रिय व्यवहार प्रदर्शित करते हैं और यही अध्ययन आधुनिक भौतिकी के नए आयाम खोल रहा है.उन्होंने एक ताजा शोध के उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान की प्रयोगधर्मी प्रकृति से भी परिचित कराया.

> विज्ञान बनाम चमत्कार कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने दिखाया कि जिन घटनाओं को अक्सर अलौकिक माना जाता है, वे दरअसल वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित होती हैं.प्रयोगों के जरिए अंधविश्वास के भ्रम को तोड़ते हुए तार्किक सोच पर जोर दिया गया. कार्यक्रम में आगामी दिनों में रासायनिक कौतूहल, द्रव नाइट्रोजन आधारित प्रदर्शन और निम्न दाब पर प्रयोग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना सशक्त करना है.

संस्कृति व परंपरा का दिखा रूप

खजुराहो नृत्य समारोह

भोपाल, 25 फरवरी. प्राचीन मंदिरों की आभा और दीपों से जगमगाते प्रांगण में बुधवार की शाम 52वें खजुराहो नृत्य समारोह का छठवां दिवस साक्षात सांस्कृतिक उत्सव बन गया. मंच पर कथक ओडिसी और मणिपुरी की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा.

मंदिरों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में सजी यह नृत्य संध्या भारतीय संस्कृति और परंपरा के विराट रूप का सजीव साक्ष्य बन गई.संध्या का आरंभ प्रख्यात कथक नृत्यांगना शाश्वती सेन की प्रस्तुति से हुआ.उन्होंने विलंबित से द्रुत लय तक की सधी हुई यात्रा में ठाठ तिहाइयों और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से नायिका के विरह और प्रकृति के सौंदर्य को साकार किया.साथ ही रामायण प्रसंग में अहिल्या उद्धार की प्रस्तुति ने वातावरण को आध्यात्मिकता से भर दिया।

ओडिसी और मणिपुर की प्रस्तुति से आलोकित हुआ मंच

भुवनेश्वर की मोहंती ने ओडिसी के माध्यम से भगवान शिव को पुष्पांजलि अर्पित की.सूर्याष्टक और कृष्ण लीला पर आधारित उनकी प्रस्तुतियों में शास्त्रीयता और भक्ति का सुंदर समन्वय दिखाई दिया.इसके बाद मणिपुर की संगीत नाटक अकादमी सम्मानित नयनसखी देवी ने नाचोम शीर्षक से मणिपुरी नृत्य प्रस्तुत किया.मैतेई परंपरा के पुष्पाभूषण की अवधारणा पर आधारित इस रचना में रुद्र ताल से लेकर अर्धनारीश्वर और नित्यरस तक विविध आयामों का सजीव चित्रण हुआ. कार्यक्रम के समापन में मध्यप्रदेश की युवा नृत्यांगना खुशबू पांचाल के समूह कथक ने सभी का मन मोह लिया.शिव पंचाक्षर स्तोत्र से आरंभ हुई यह प्रस्तुति में बनारस घराने की तकनीकी बारीकियां और मदन दहन की कोरियोग्राफी ने दर्शकों की जोरदार सराहना बटोरी.

भोपाल. अग्रोहा क्लब द्वारा बुधवार को केरवा डेम रोड स्थित रिसॉर्ट में प्री होली फेस्टिवल मनाया गया. इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरों को रंग-गुलाल लगाकर खुशियां मनाई.

बेटी की रसोई सोसायटी का उद्घाटन आज

भोपाल. बेटी की रसोई जनकल्याण सोसायटी भोपाल का उद्घाटन गुरुवार को किया जाएगा. समिति की अध्यक्ष ज्योति राय ने बताया कि यह आयोजन सिद्धेश्वर धाम मंदिर करुणा धाम मंदिर के पास नेहरू नगर में शाम 6 बजे होगा. आयोजन की मुख्य अतिथि महापौर मालती राय, विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, विधायक भगवान दास सबनानी, संयुक्त संचालक पंकज मित्तल और जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यति होंगे.

अमरनाथ के हिम शिवलिंग को बचाने की मांग

भोपाल. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष एवं लेफ्टिनेंट गवर्नर जम्मू कश्मीर मनोज सिन्हा से मांग की है कि पवित्र स्थान को बगैर हानि पहुंचे ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे बाबा बर्फानी संपूर्ण यात्रा के दौरान विराजमान रहे. मांग करने वालों में मंडल सचिव रिंकू भटेजा, महिला शाखा की चेयरपर्सन मंजू गौतम अध्यक्षा दिव्या बोहरा, गायत्री अवस्थी, सुनीता गुप्ता, राजकुमार शर्मा, गुड्डू अग्रवाल,योगेश श्रीवास्तव, मनोज पांडे, प्रदीप सोनी, गजेंद्र ठाकुर, बृजेश पाठक, मुकेश रैकवार, प्रकाश पाटिल, अरुण तिवारी, मनीष पावसे, राजकुमार रघुवंशी, मोनू चौरसिया हैं.

बच्चों को उपहार में दी पिचकारी

भोपाल. सेवा संकल्प युवा संगठन द्वारा सेवा दिवस बुधवार को लालघाटी स्थित फ्लाईओवर के नीचे रहने वाले बच्चों के बीच मनाया गया. संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि बच्चों को होली पर्व के लिए पिचकारी, बेलून, खिलौने एवं स्वल्पाहार कराया गया. एक बालिका ने जन्मदिन पर केक काटा. फ्लाईओवर पाठ शाला के बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाने वाली समाजसेविका विनीत सिंह तोमर ने बताया कि बच्चों को होली पर्व से पूर्व पिचकारी, बेलून मिलने से बच्चों में उत्साह दिखा. बच्चों ने कविताएं सुनाईं और नियमित पढ़ाई करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि संयुक्त राजस्व आयुक्त राजीव नंदन श्रीवास्तव एवं रवि पुरविया, लकी नेगी, संदीप कोतकर, अंश नागर, यश जैन, प्रेम मेवाड़ा मौजूद रहे.

लोकपाल ने किया समस्याओं का निराकरण

▶ बीयू में 30 अपील और 11 जांचों का निपटारा

भोपाल 25 फरवरी. अभी तक यूजीसी एवं राज्य सरकार के निर्देश के बावजूद देश के कई विश्वविद्यालय में छात्रों, शिक्षक, कर्मचारियों की समस्या के समाधान हेतु लोकपाल की नियुक्ति नहीं हो पाई, वहीं बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय द्वारा न सिर्फ समय पर लोकपाल की नियुक्ति की गई बल्कि उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान कर विश्वविद्यालय के प्रति लोगों में अपना विश्वास प्रबल किया है. विगत वर्षों में 30 अपील और 11 जांचों का निपटारा किया गया.

11 अप्रैल 2023 को शशिर कांत चौबे को बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का लोकपाल नियुक्त किया गया. शशिर कांत चौबे जिला एवं सत्र न्यायाधीश रह चुके हैं और अपने सेवाकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण न्यायिक फैसले दिए. विदित हो कि बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का परिक्षेत्र 8 जिलों में बंटा हुआ है. विगत तीन वर्षों में लोकपाल द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन के मार्गदर्शन में विभिन्न समस्याओं का त्वरित निराकरण कर एक मिसाल कायम की है.

नेक ने कार्य की प्रशंसा

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस की समस्या को प्राथमिकता के तौर पर निराकरण किया है. विगत वर्षों में लोकपाल द्वारा 30 अपील और 11 जांचों निपटारा किया गया. इसमें विश्वविद्यालय से संबंधित अकादमी शाखा, प्रशासनिक शाखा, गोपनीय शाखा, परीक्षा शाखा, डीएसडब्ल्यू, छात्रावास, लेखा शाखा के भी मामले आए जिनका तुरंत निराकरण किया गया. इसके अंतर्गत सामान्य वर्ग के 71, ओबीसी के 25, अनुसूचित जनजाति के 27, अनुसूचित जनजाति के 8, ईएसडब्ल्यू के 2, एवं अल्पसंख्यकों के दो मामले का निपटारा किया गया.विदित हो कि नेक द्वारा भी इस कार्य की प्रशंसा की गई थी.

शुभारंभ | इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

पवित्र वन ही हैं हमारी जड़ों की पहचान : मिश्रा

भोपाल, 25 फरवरी. भारत की पवित्र पारिस्थितिकी केवल जंगल नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों की जीवित अभिव्यक्ति है. यह बात प्रोफेसर केके मिश्रा ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ में कही.

बुधवार को भारत के पवित्र वन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन पूर्व महानिदेशक, आईएफएस सुभाष चंद्र की उपस्थिति में हुआ.कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्वान, शोधार्थी और जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए. मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र ने कहा कि जिस प्रकार स्थानीय समुदाय अपने पवित्र वनों की रक्षा करते हैं उसी भावना से सभी वनों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए. इस दौरान संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडेय ने कहा कि पवित्र वन जैव विविधता और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का सशक्त केंद्र हैं.वहीं प्रो. केके मिश्रा ने वेदों में वर्णित आध्यात्मिक पारिस्थितिकी, संरक्षण जीवविज्ञान और आदिवासी आस्था प्रणालियों के संदर्भ में मानव और प्रकृति के संबंधों को विस्तार से समझाया. कार्यक्रम में गोवा के पवित्र उपवनों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया.तकनीकी सत्रों में प्रो. एबी ओटा ने देश में पवित्र उपवनों के आंकड़ों और स्थिति पर प्रस्तुति दी. डॉ. हरिचरण बेहरा ने पवित्र पहाड़ियों और उपवनों के संरक्षण की चुनौतियों पर प्रकाश डाला. विभिन्न राज्यों के उदाहरणों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता और पर्यावरण संरक्षण के संबंधों पर विचार विमर्श हुआ.

अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखेगी आशापुरी पर बनी फिल्म

भोपाल, 25 फरवरी. शहर के लेखक शायर और फिल्मकार डॉ. सुधीर आजाद की डॉक्यूमेंट्री फिल्म द टेम्पल्स ऑफ आशापुरी का चयन अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्यटन फिल्म महोत्सव के लिए हुआ है.यह महोत्सव 5 से 7 मार्च तक मुंबई में होगा, जहां देश और विदेश के फिल्मकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे.विशेष बात यह है कि इस महोत्सव में चयनित यह मध्यप्रदेश की एकमात्र फिल्म है जो प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगी.

करीब पांच मिनट की इस लघु डॉक्यूमेंट्री में आशापुरी के मंदिर अवशेषों की ऐतिहासिक गरिमा स्थापत्य वैभव और वर्तमान स्थिति को प्रभावशाली दृश्य भाषा में उकेरा गया है.फिल्म का निर्माण सुधीर आजाद फिल्म प्रोडक्शन एवं बोल के बैनर तले किया गया है.सीमित अवधि में गहन शोध और संवेदनशील प्रस्तुति के जरिए फिल्म आशापुरी की सांस्कृतिक आत्मा को सामने लाती है.

9वीं से 13वीं शताब्दी के मंदिर समूह

भोपाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित आशापुरी 9वीं से 13वीं शताब्दी के मंदिर समूहों के लिए जानी जाती है.